नाथपंथ का समाज दर्शन

डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्रकाशक:
महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
उत्तर प्रदेश - 273009, भारत
ई-मेल: mygsg18@gmail.com
वेबसाइट: www.ddugorakhpuruniversity.in

संस्करण:
वर्ष प्रतिपदा 2019

सर्वाधिकार :
सुरक्षित

मूल्य :
40 रुपये मात्र

मुद्रक :
मोती पेपर कनवर्टर्स
गोरखपुर

अनुक्रम

1. प्राक्कथन
2. समाज बदलने आए गोरख .. 9
3. पाखण्ड एवं रूढ़ियों के विरुद्ध अभियान .. 13
4. जातीय श्रेष्ठतावाद को नकारा नाथपंथ ने .. 16
5. गोरख ने दिया उपासना का सर्वसुलभ सहज योग .. 19
6. मृत्यु पर जय से मोक्ष तक का सहज मार्ग .. 22
7. समाज की सिसकी न सुनी तो सिद्धि-साधना व्यर्थ .. 25
8. क्रियात्मक योग .. 28
9. श्री गोरखनाथ की महन्त-परम्परा एवं उसका युगधर्म .. 31
10. सेवा भी जहाँ साधना है .. 34
11. पूर्णता एवं संतोष का संदेश है महायोगी की खिचड़ी .. 37
12. परिशिष्ट .. 40